भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : तृतीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA9		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	उपनिषद् विमर्श		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (प्रथम प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र उपनिषद् के रहस्यों को समझ सकेंगे। 2. छात्र उपनिषद् चिन्तन की परम्परा की समीक्षा कर सकेंगे। 3. छात्र उपनिषद् में विद्यमान कथानकों के रहस्यों को ग्रहण कर सकेंगे। 4. छात्र परा अपरा विद्या के माहात्म्य को समझ सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय ज्ञान परम्परा की आत्मा उपनिषद् - ईशावास्योपनिषद् **गतिविधि :** उपनिषद् परिचय आधारित प्रश्नोत्तरी	15
2	कठोपनिषद् (प्रथमोध्याय) **गतिविधि :** उपनिषद् कथानक पर आधारित कथा लेखन	15
3	कठोपनिषद्(द्वितीयोध्याय) **गतिविधि :** कथानक आधारित चित्र निर्माण	15
4	प्रश्नोपनिषद्(1-3 प्रश्न)	15

	गतिविधि : संवाद रूप में लघुनाट्यलेखन	
5	प्रश्नोपनिषद्(4-6 प्रश्न) **गतिविधि :** परिचयाधारित प्रश्नोत्तरी	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : उपनिषद्, ईशोपनिषद्, कठोपनिषद्, प्रश्नोपनिषद्

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

i. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

अ – परिचय

कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : तृतीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA10		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	शतपथब्राह्मण		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र अध्ययन के अनन्तर ब्राह्मण ग्रन्थों के भेद को समझ सकेंगे। 2. छात्र विभिन्न याज्ञिक पारिभाषिक पदावली से अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र मन्त्रों के अर्थ को सविनियोग समझ सकेंगे। 4. छात्र ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य का चिन्तन कर सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	शतपथब्राह्मण का परिचय, स्वरूप, नामकरण एवं प्रतिपाद्य **गतिविधि :** वेदानुसारी ब्राह्मण ग्रन्थों का सूचीकरण	15
2	शतपथब्राह्मण प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय प्रथम ब्राह्मण **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित प्रयुज्य यज्ञपात्रों का चित्र निर्माण	15
3	शतपथब्राह्मण प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय द्वितीय ब्राह्मण **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित प्रश्नोत्तरी	15
4	शतपथब्राह्मण प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय तृतीय ब्राह्मण **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित निबन्ध लेखन	15

5	शतपथब्राह्मण प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय चतुर्थ ब्राह्मण **गतिविधि :** इष्टि/याग के सोपानों का सूचीकरण एवं कथानकों का निष्कासन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : ब्राह्मण ग्रन्थ का परिचय, माध्यन्दिन शतपथ, शतपथब्राह्मण

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**

i. शतपथब्राह्मण, युगलकिशोर मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : तृतीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA11		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आरण्यक अध्ययन		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (तृतीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र आरण्यक के माहात्म्य को समझ सकेंगे। 2. छात्र आरण्यक प्रतिपाद्य से अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र आरण्यक की व्याख्यान शैली की वैज्ञानिकता से अवगत हो सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	बृहदारण्यकोपनिषद का परिचय, प्रतिपाद्य, स्वरूप एवं महत्त्व **गतिविधि :** विषयवस्तु पर निबन्धलेखन	15
2	बृहदारण्यकोपनिषद : प्रथमोध्याय **गतिविधि :** प्रतिपाद्याधारित प्रश्नोत्तरी	15
3	बृहदारण्यकोपनिषद : द्वितीयोध्याय **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित समीक्षा	15
4	बृहदारण्यकोपनिषद : तृतीयोध्याय **गतिविधि :** कथानक सम्बद्ध चित्र निर्माण	15
5	बृहदारण्यकोपनिषद : चतुर्थोध्याय **गतिविधि :** प्रतिपाद्य का स्वशब्दों में प्रस्तुतीकरण	15

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : आरण्यक, बृहदारण्यक, बृहदारण्यकोपनिषद्

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. वेदव्याख्यापद्धतय:, शशि तिवारी, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली

ii. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, वेद खण्ड, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि	कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : तृतीय	सत्र : 2025-26

विषय : वेद			
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA12	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वैदिक निर्वचनशास्त्र	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थ प्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र निर्वचन प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे। 2. छात्र निरुक्त की वैज्ञानिक पद्धति को समझ सकेंगे। 3. छात्र मन्त्रों के गूढार्थ का प्रकाशन करने में सक्षम हो सकेंगे।	
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय परम्परा का निर्वचन शास्त्र निरुक्त : परिचय स्वरूप एवं महत्त्व **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित आरेख निर्माण	15
2	निरुक्त : प्रथम अध्याय (प्रथम एवं द्वितीय पाद) **गतिविधि :** विषयवस्तु में विद्यमान निर्वचनों का सूचीकरण	15
3	निरुक्त : प्रथम अध्याय (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) **गतिविधि :** पदों का वर्गीकरण	15
4	निरुक्त : प्रथम अध्याय (पंचम एवं षष्ठ पाद) **गतिविधि :** सन्दर्भ मन्त्रों का सूचीकरण	15

5	निरुक्त : द्वितीय अध्याय (प्रथम एवं द्वितीय पाद) **गतिविधि :** विषयवस्तु आधारित निबन्ध लेखन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक निर्वचन प्रक्रिया, निरुक्त, निर्वचनशास्त्र

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**

i. निरुक्तम्, पं. मुकुन्दझा बक्शी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : चतुर्थ	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA13		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वेदार्थ एवं मीमांसा		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (प्रथम प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र वाक्यार्थ समझ सकेंगे। 2. छात्र वेदभाष्यों मीमांसा के आधार को समझ सकेंगे। 3. छात्र वेदार्थ में मीमांसा की भूमिका से अवगत हो सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय दर्शन की रूपरेखा एवम् आस्तिक दर्शन **गतिविधि :** भारतीय दर्शन परम्परा पर निबन्ध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी	15
2	मीमांसा दर्शन का परिचय **गतिविधि :** मीमांसा दर्शन के ग्रन्थों का कालक्रम से सूचीकरण आधारित आरेख निर्माण	15
3	मीमांसा के भाष्यकारों एवं अर्थसंग्रह का परिचय, **गतिविधि :** भाष्यकारों पर आधारित प्रश्नोत्तरी	15
4	अर्थसंग्रह : वेद का लक्षण, भावना एवं विधि का सामान्य परिचय एवं भेद, परिसंख्या विधि एवम् अर्थवाद	15

	गतिविधि : विषयों के सम्बन्ध का ज्ञापक आरेख निर्माण	
5	जैमिनीयन्यायमाला : प्रथम अध्याय **गतिविधि :** विषय सम्बद्ध निबन्ध लेखन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : भारतीय दर्शन, मीमांसा, अर्थसंग्रह, जैमिनीय न्यायमाला

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

3. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. अर्थसंग्रह:, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

ii. जैमिनीय न्यायमाला, आनन्दाश्रम पुणे

4. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

https://archive.org/details/dli.ministry.25175/page/n9/mode/2up

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : चतुर्थ	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA14		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	शिक्षा परिचय		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र मन्त्रों के उच्चारण में शिक्षा के महत्त्व को ज्ञात कर सकेगे। 2. छात्र शिक्षा के विषयों से अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र शिक्षा ग्रन्थों के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	याज्ञवलक्य, पाणिनीय शिक्षा : परिचय, वर्ण्य विषय, महत्त्व **गतिविधि :** विषय आधारित निबन्ध लेखन	15
2	याज्ञवल्क्य शिक्षा : स्वर परिचय, मात्रा परिचय, स्वाध्याय विधि, विद्या प्राप्ति के उपाय **गतिविधि :** विषय आधारित चित्र निर्माण	15
3	याज्ञवल्य शिक्षा : विसर्ग के प्रकार, स्वरित के भेद, वकार के भेद, पाठदोष, अधम पाठक, पाठक गुण **गतिविधि :** विषय आधारित चार्ट निर्माण	15

4	सम्प्रदायप्रबोधिनी शिक्षा **गतिविधि :** विषय आधारित प्रश्नोत्तरी	**15**
5	पाणिनीय शिक्षा **गतिविधि :** विषय आधारित प्रस्तुतीकरण	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : शिक्षा, याज्ञवल्क्य शिक्षा, पाणिनीय शिक्षा, सम्प्रदायप्रबोधिनी शिक्षा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. याज्ञवल्क्य शिक्षा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

ii. सम्प्रदाय प्रबोधिनी शिक्षा, पं. गोपालचन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

iii. पाणिनीय शिक्षा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

१. https://archive.org/details/sampradaya_prabodhini_shiksha

२. https://ia**801903**.us.archive.org/**16**/items/wg**384**/WG**384-1993-**PaniniyaShiksha.pdf

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : चतुर्थ	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA15		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	श्रौतसूत्र का परिचय		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (तृतीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र श्रौतसूत्रों की विषय वस्तु का ज्ञान कर सकेगे। 2. छात्र श्रौतयागों के माहात्म्य से अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र श्रौत की जटिल यज्ञ सम्पादन प्रक्रिया के मूल को समझ सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय यज्ञ परम्परा के मूल ग्रन्थ कात्यायन श्रौतसूत्र : भूमिका (प्रारम्भ से सोमयाग के पूर्व तक) **गतिविधि :** सूत्रपूर्ति एवं स्मरण परीक्षण	15
2	कात्यायन श्रौतसूत्र : भूमिका (सोमयाग से अन्त तक) **गतिविधि :** यागों के विभागानुसार सूची निर्माण	15
3	कात्यायन श्रौतसूत्र : प्रथम अध्याय (प्रथम कण्डिका) **गतिविधि :** यागाधिकारियों की अर्हता सूचक आरेख निर्माण	15
4	कात्यायन श्रौतसूत्र : प्रथम अध्याय (द्वितीय कण्डिका)	15

	गतिविधि : यज्ञ पात्रों का चित्र निर्माण	
5	कात्यायन श्रौतसूत्र : प्रथम अध्याय (तृतीय कण्डिका) **गतिविधि :** निबन्ध लेखन एवं यज्ञपात्र की विशेषता सम्मत सूची निर्माण	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : यज्ञ, श्रौतयज्ञ, याग, यज्ञ पात्र, परिभाषा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

१. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**

१. कात्यायनश्रौतसूत्र, सरलावृत्ति,विद्याधर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

२. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

१. https://archive.org/details/kMrk_katyayan-shrauta-sutram-with-shulva-sutra-vritti-of-katyayana-with-sarala-vritti/page/n69/mode/2up

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : चतुर्थ	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA16		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रातिशाख्य		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्य विषय (चतुर्थ प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र प्रातिशाख्य के महत्त्व से अवगत हो सकेंगे। 2. छात्र प्रातिशाख्य के प्रतिपाद्य से अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र स्वरांकन के मूल एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	वाजसनेय प्रातिशाख्य का महत्त्व एवं विषयवस्तु विभाग **गतिविधि :** निबन्ध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी	15
2	वाजसनेय प्रातिशाख्य प्रथम अध्याय **गतिविधि :** विषयाधारित सूचीकरण	15
3	वाजसनेय प्रातिशाख्य द्वितीय अध्याय **गतिविधि :** विभाग के अनुसार चार्ट निर्माण	15
4	ऋक्प्रातिशाख्य का महत्त्व एवं विषयवस्तु विभाग **गतिविधि :** प्रश्नोत्तरी	15

5	ऋक्प्रातिशाख्य प्रथम पटल **गतिविधि :** निबन्ध लेखन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : शिक्षा ग्रन्थ, स्वरांकन, प्रातिशाख्य

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1) अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

क. ऋग्वेद प्रातिशाख्य, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

ख. वाजसनेय प्रातिशाख्य, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

2) **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

1.https://ia801406.us.archive.org/31/items/in.ernet.dli.2015.409802/2015.409802.Rgveda-Pratisakhya.pdf

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :